

**Syllabus
for
Krishna Yajurveda (ACQP13)**

Krishna Yajurveda (ACQP13)

Note:

- i. There will be one Question Paper which will have 75 questions.
- ii. All questions will be based on Subject-Specific Knowledge.
- iii. All questions are compulsory.
- iv. The question paper will be in Sanskrit.

Krishna Yajurveda (ACQP13)

१. वैदिकवाङ्मयकासामान्यपरिचय -
संहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदांग,
उपवेद, देवता-ऋषि-छन्द-विनियोग।
२. तैत्तिरीयसंहिताप्रथमकांड१-४प्रपाठक -
(क) मंत्रपूर्ति....।
(ख) पदों/शब्दोंकाअर्थतथाव्युत्पत्ति।
(ग) मन्त्रांशोकाभाष्य।
(घ) मंत्रोंकेदेवताऋषिछन्दविनियोग।
३. आपस्तम्बश्रौतसूत्र१- (धूर्तस्वामीकृतभाष्य) -
४. पुंसवन, चौल, उपनयन, समावर्तनतथाविवाहसंस्कार-
५. तैत्तिरीयब्राह्मणतृतीयअष्टक१-३प्रपाठकतथातैत्तिरीयब्राह्मणचतुर्थकाण्ड१-२प्रपाठक(सायणभाष्य)
(क) मंत्रपूर्ति....।
(ख) पदों/शब्दोंकाअर्थतथाव्युत्पत्ति।
(ग) मन्त्रांशोकाभाष्य।
(घ) मंत्रोंकेदेवताऋषिछन्दविनियोग।
६. सायणकृत- तैत्तिरीयभाष्यभूमिका-
७. तैत्तिरीयप्रातिशाख्य१-४अध्याय-
(क) स्वरभक्तितथास्वरोकापरिचय।
(ख) उच्चारणस्थान, वर्णसमाम्नाय।
(ग) छन्द-कादेवता, वर्णऋषिगोत्रपरिचय।
(घ) संज्ञाविधायकसूत्र।
८. पिङ्गलछन्दसूत्र (वैदिकप्रकरणमात्र)-
९. पाणिनीयशिक्षा-
(क) शिक्षाकामहत्वा।
(ख) स्वरतथाव्यंजन।
(ग) वर्णसमाम्नायव्यवस्था।
(घ) स्वरोकाउदात्तअनुदात्तस्वरितभेद।
(ङ) वेदाध्ययनकावैशिष्ट्या।